

सोमयाजी पुं. (तत्.) 1. सोमयज्ञ करने वाला 2. सोमपान करने वाला।

सोमयोनि पुं. (तत्.) 1. देवता 2. ब्राह्मण 3. पीला चंदन।

सोमरस पुं. (तत्.) 1. सोम नामक लता का रस जो वैदिक काल में ऋषि-मुनि आदि पीते थे 2. हठयोग में, तालु-मूल में स्थित माने जाने वाले चंद्रमा से निकलने वाला रस जो योगी लोग जीभ को उल्टा करके उसे तालु-मूल तक ले जाकर पान करते हैं।

सोमरा पुं. (देश.) 1. जुते हुए खेत का दोबारा जोता जाना 2. दो चरस।

सोमराज पुं. (तत्.) चंद्रमा।

सोमराजी स्त्री. (तत्.) वन. 1. बकुची 2. एक प्रकार का छंद जिसके प्रत्येक चरण में दो रगण होते हैं।

सोमराज्य पुं. (तत्.) चंद्रलोक।

सोमराष्ट्र पुं. (तत्.) एक प्राचीन जनपद।

सोमलता स्त्री. (तत्.) सोम नामक एक लता, सोमवल्लरी, सोमवल्ली।

सोमलोक पुं. (तत्.) चंद्रलोक।

सोमवंश पुं. (तत्.) चंद्रवंश।

सोमवंशी/सोमवंशीय वि. (तत्.) चंद्र वंश से उत्पन्न।

सोमवत वि. (तत्.) चंद्रमा जैसा।

सोमवती स्त्री. (तत्.) वह लड़की अथवा स्त्री जिसका जन्म सोमवार को हुआ हो वि. (वह तिथि) जो सोमवार से युक्त हो।

सोमवती अमावस्या स्त्री. (तत्.) वह अमावस्या तिथि जो सोमवार को हो।

सोमवर्धस पुं. (तत्.) 1. विश्वेदेवों में से एक 2. सोम के समान तेज वाला।

सोमवल्क पुं. (तत्.) श्वेत खैर, कायफल, करंज, रीठाकरंज।

सोमवल्लरी स्त्री. (तत्.) 1. सोमलता 2. एक प्रकार का छंद, चामर छंद।

सोमवल्लिका स्त्री. (तत्.) सोमलता, सोमराजी।

सोमवल्ली स्त्री. (तत्.) 1. सोमलता 2. ब्राह्मी लता 3. गुडूची, गिलोय 4. गजपीपल 5. बकुची, सोमराजी 6. पातलागारुड़ी।

सोमवान पुं. (तत्.) चंद्रमा से युक्त ग्रह वि. 1. सोम से युक्त 2. चंद्रमा से युक्त 3. शीतल और सुंदर।

सोमवार पुं. (तत्.) रविवार से अगला दिन, चंद्रवार।

सोमवारी वि. (तत्.) सोमवार से संबंधित स्त्री. सोमवती अमावस्या।

सोमवासर पुं. (तत्.) सोमवार, चंद्रवार, रविवार से अगला दिन।

सोमवीथी स्त्री. (तत्.) चंद्रमंडल।

सोमवृक्ष पुं. (तत्.) 1. कटहल 2. सफेद खदिर या खैर/कत्था का वृक्ष।

सोमसंस्था स्त्री. (तत्.) सोमयज्ञ का एक प्रारंभिक कृत्य।

सोमसलिल पुं. (तत्.) सोमलता का रस, सोमरस।

सोमसव पुं. (तत्.) यज्ञ में किया जाने वाला एक प्रकार का कृत्य जिसमें सोम का रस निकाला जाता था।

सोमसार पुं. (तत्.) 1. सफेद खदिर/खैर 2. कीकर 3. बबूल।

सोमसिंधु पुं. (तत्.) विष्णु का एक नाम।

सोमसिद्धांत पुं. (तत्.) 1. बुद्ध का एक नाम 2. फलित ज्योतिष 3. शैवों का एक तांत्रिक मत।

सोमसुंदर वि. (तत्.) चंद्रमा के समान सुंदर, बहुत सुंदर पुं. शिव, महादेव।

सोमसुत पुं. (तत्.) चंद्रमा का पुत्र, बुध ग्रह।

सोमसुता स्त्री. (तत्.) नर्मदा नदी।